मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न विषयों पर आधारित रूचिपूर्ण,
शैक्षिक एवं उपयोगी बाल कविताएं।

बाल साहित्य सृजन

माह- फरवरी 2024

#9458278429

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01/02/2024

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

जवाहर लाल नेहरू

बच्चों की थे प्यारे चाचा,
हरदम थे मुस्काते चाचा।
भारत के पहले प्रधानमंत्री,
अचकन में फूल लगाते चाचा।।

14 नवंबर जन्मदिन है,
प्यारे चाचा नेहरू जी का।
बच्चों को था बहुत ही प्यारा,
बाल दिवस के रूप में मनता।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

महात्मा गाँधी

2 अक्टूबर को जन्म हुआ,
महात्मा गाँधी उनका नाम हुआ।
सत्याग्रह व दांडी यात्रा में,
जन सैलाब जिनके साथ हुआ।

अहिंसा का पाठ पढ़ाकर,
राष्ट्रपिता की उपाधि प्राप्त की।
अंग्रेजो भारत छोड़ो आन्दोलन से,
विशेष विश्व में विख्याति प्राप्त की।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

राजा राम मोहन राय

समाजिक कुरीतियाँ मिटाने वाले,
सती प्रथा को, हटवाने वाले।
समाज सेवा की बीड़ा उठाकर,
बदलाव की अलख जगाने वाले।।

अंधविश्वास पर किया प्रहार,
कभी न हार, वो मानने वाले।
राजा राम मोहन राय नाम था उनका ,
'पुर्नजागरण के अग्रदूत' कहलाने वाले।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

अम्बेडकर

आओ जाने किसने बनाया,
हमारे देश का संविधान।
समानता का अधिकार दिलवाया,
ऐसे हैं अम्बेडकर महान।।

जो लोग हक नहीं पाते थे,
उनको उनका हक दिलवाया।
बाबा साहब ने शिक्षा को,
हर मुश्किल का हल बताया।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1 इन्दिरा गाँधी

19 नवंबर को राष्ट्रीय,
एकता दिवस मनाते हैं।
शांति-प्रेम-भाईचारे,
का दीप जलाते हैं।।

आज पहली महिला प्रधानमन्त्री,
का जन्मदिन मनाते हैं।
इन्दिरा गाँधी के सम्मान में,
हम शीश झुकाते हैं।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2 स्वामी विवेकानन्द

12 जनवरी 1863 को,
जन्मे स्वामी विवेकानन्द।
रामकृष्ण मिशन और मठ के,
संस्थापक हुए विवेकानन्द।।

युवा दिवस के रूप में,
इनका जन्मदिन मनाते हैं।
हम सब इनके सम्मान में,
अपना शीश झुकाते हैं।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3 बापू जी

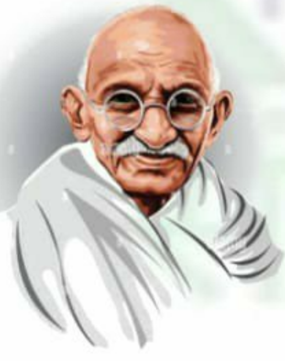

बापू जी के नाम से जाने,
आपको सारा जहान।
सदा जीवन, उच्च विचार,
बापू जी की पहचान।।

सत्य और अहिंसा की,
बापू ने राह दिखायी।
सत्य की राह पर चलकर,
बापू ने आजादी दिलायी।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 सरदार बल्लभ भाई पटेल

31 अक्टूबर को जन्मे,
सरदार पटेल पिता जहीर भाई।
गाँधी जी से पाकर प्रेरणा,
स्वतन्त्र देश में भूमिका निभायी।।

भारतीय राजनीति के संरक्षक,
अखण्ड भारत की शपथ निभायी।
भारतीय रियासतों का कर एकीकरण,
राष्ट्रीय एकता की अलख जगायी।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

03/02/2024

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

मदर टेरेसा

कर्म दीन दुखियों की सेवा,
धर्म जिनका मानवता की सेवा।
अल्बेनियाई परिवार में जन्मी,
सन १९१० में संत मदर टेरेसा।।
१९४८ में ले भारतीय नागरिकता,
करतीं बेसहारा लोगों की सेवा।
मिला नोबेल शांति पुरस्कार,
पद्मश्री व भारत रत्न सम्मान।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

चन्द्रशेखर आज़ाद

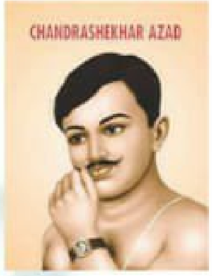

भारत की आजादी का सपना,
सोते जगते आंखों में सजाया।
राष्ट्र हित को प्रथम मानकर,
आजादी का तराना था गाया।।
क्रांतिदूत भांवरा ग्राम का,
मां जगरानी का वीर सपूत।
भारत मां का सच्चा सेवक,
आजादी के थे अग्रदूत।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० पू० मा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3

भगत सिंह

भगत सिंह शान है भारत की,
देश प्रेम जिसके रग-रग में।
28 सितम्बर 1960 को जन्मे लायलपुर में,
पिता किशन चार भाई थे जिनके साथ में।।
इंकलाब जिंदाबाद नारा भगत सिंह
मिली फाँसी 23 मार्च 1931 में।
शहीद दिवस मनाते इस तिथि को,
न भूलेगा देश हमारा कुर्बानी को।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

4

सरोजनी नायडू

13 फरवरी 1879 को,
जन्मी सरोजनी नायडू।
गोविंदराजुलू नायडू की
जीवन संगिनी बनी सरोजनी नायडू।।
कानपुर काँग्रेस की अध्यक्षा बनी,
बनी उत्तरप्रदेश की पहली राज्यपाल।
स्वर कोकिला कहलाती है वो,
उठाई महिला सशक्तीकरण की आवाज।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

बाल साहित्य सृजन

1

देवकी

कंस की प्यारी बहन,
था देवकी नाम।
संग वसुदेव ब्याही गयी,
जुड़ा यदुवंश से नाम।।

प्रभु कृष्ण की माता,
बनने का सौभाग्य मिला।
जन्मों-जन्मों के तप से,
उन्हें कृष्ण-सा लाल मिला।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

यशोदा

नन्द बाबा की पत्नी प्यारी,
और कान्हा की मैया न्यारी।
द्वापर युग की महिला महान्,
जिनमें छवि ममता की सारी।।

कृष्ण की पालक मातु यशोदा,
वृन्दावन जिनका स्थान।
महिमा गाते ऋषि-मुनि इनकी,
माताओं में सर्वोच्च स्थान।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3

कौशल्या

दशरथ पत्नी प्रथम ये,
राम मातु जग जान।
जनक सुता की सासु हैं,
नमन इन्हें सुखमान।।

सबका रखती ध्यान ये,
वधू सुता सम मान।
पत्नी-माता का निभा,
रही धर्म सुखमान।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

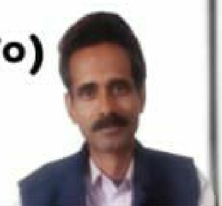

4

कुन्ती

महाभारत के प्रमुख पात्र,
में से एक पात्र थी कुन्ती।
वासुदेव की प्यारी बहन,
श्री कृष्ण की बुआ थी कुन्ती।।

पाँच पांडवों की माता और,
करण की माता के रूप में।
पहचान है कुन्ती की सुन्दर,
चतुर, बुद्धिमान नारी रूप में।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

06-02-2024 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

महर्षि चरक

कुषाण राज्य के राजवैद्य,
आयुर्वेद के जनक कहलाये।
"चरक संहिता" ग्रन्थ लिखा,
संस्कृत भाषा प्रयोग में लाये।।

महर्षि चरक के जन्म को,
लगभग 2300-2400 साल बीते।
आयुर्वेद से करते थे इलाज,
आधुनिक थे इनके तौर-तरीके।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

2

पतंजलि

योग दर्शन के जनक,
भारत के मुनि प्राचीन।
संस्कृत के विद्वान महान
शुंग वंश के समकालीन।।

अष्टाध्यायी पर टीका,
महाभाष्य था नाम।
चरक संहिता के प्रणेता,
मुनि पतंजलि को प्रणाम।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3

वेदव्यास

पिता पाराशर महर्षि,
माता सत्यवती कहलायी।
3000 ई० पूर्व जन्म लिया,
अषाण पूर्णिमा तिथि हुई।।

कृष्णा द्वैपायन नाम जिनका,
महाभारत,18 पुराण लिखे।
ब्रह्म-सूत्र की रचना की,
वेदव्यास नाम से विख्यात हुए।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4

शुकदेव

शिवजी-पार्वती जी को जब,
अमरकथाएँ सुना रहे थे।।
एक शुक ने सुनीं बने शुकदेव,
वह अमरगति पा गये थे।।

वेदव्यास के सुपुत्र थे योगी,
परम ज्ञानी, वाटिका थीं माई।
राजा परीक्षित को भागवत,
देवताओं को महाभारत सुनायी।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1 ध्रुव

बालक ध्रुव था राजदुलारा,
सुनीति की आँखो का तारा।
विमाता ने किया अपमान,
पर जगत मे पाया सम्मान।।

तपस्या से उसने वरदान पाया,
आकाश मे ऊँचा स्थान पाया,
धुव्र तारा बनकर वो चमक रहा,
कभी न अपनी दिशा बदल रहा।।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2 प्रहलाद

प्रहलाद हिरण्यकश्यप के पुत्र,
भगवान विष्णु की भक्ति में रहते।
नास्तिक पिता उन पर हरदम,
जुल्म पर जुल्म ढाते रहते।।

बुआ ने गोद बिठाया उनको,
अग्नि में दहन करने को।
जल उठी होलिका आग में,
हरि कृपा हुई प्रहलाद बचाने को।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3 गौतम बुद्ध

लुम्बिनी नामक स्थान,
पर इनका जन्म हुआ।
बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान,
इनको प्राप्त हुआ।।

शान्ति व त्याग का प्रतीक,
गौतम बुद्ध माने जाते।
बौद्ध धर्म के संस्थापक,
गौतम बुद्ध कहलाते।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 श्रवण कुमार

श्रवण अंधे माता- पिता,
के आज्ञाकारी पुत्र कहलाये।
कांवर में बिठा कंधों पर,
तीर्थ धाम यात्रा करवाये।।

राजा दशरथ के तीर से,
आघात हो स्वर्ग सिधारे।
है धन्य भारत भूमि जहां,
श्रवण जैसे कुलदीप पधारे।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

08/02/2024

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

इंदिरा गाँधी

भारत की प्रथम महिला,
प्रधानमन्त्री इंदिरा गाँधी।
थर-थर काँपे दुश्मन जिससे,
थी वो एक ऐसी आँधी।।

एक सशक्त नेता और वक्ता,
भारत की बहादुर बेटी।
एक समय था ऐसा वो,
दुनिया में सबसे लोकप्रिय रहीं।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

रानी लक्ष्मी बाई

1857 की राज्य क्रांति में,
शहीद वीरांगना कहलायीं थीं।
अंग्रेजों को धूल चटा कर वह,
रानी लक्ष्मी बाई कहलायीं थीं।

धन्य है इस देश की माटी,
जिसमें इन्होंने बलिदान दिया।
अंग्रेजों का सर काटकर,
धरती माँ को आजाद किया।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

3

भीम राव अम्बेडकर

14 अप्रैल सन 1991 में,
मध्य प्रदेश के मऊ जिले में जन्में।
भीम राम जी राव नाम था उनका,
अमर हो गये भारतीय जन-मन में।।

भारतीय संविधान के निर्माता,
विश्व संविधान के अध्ययन कर्ता।
संविधान को वो सर्वोच्च बताये,
नर-नारी को दिया समान दर्जा।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

सावित्री बाई

महिला शिक्षा की पहली प्रेरक,
समाज सुधारिका, कवयित्री।
महाराष्ट्र में जन्म लिया इन्होने,
संघर्षरत रहीं माँ सावित्री।

पहला महिला स्कूल खोला,
विधवाओं का किया उद्धार।
हर बालिका खूब पढ़े लिखे,
किये बहुतों के सपने साकार।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

09/02/2024

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

पं० जवाहरलाल नेहरू

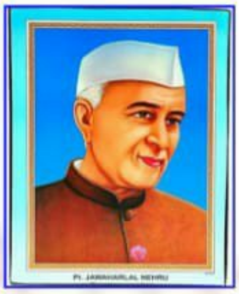

थे बच्चों के चाचा प्यारे,
नेहरू सब के राज दुलारे।
देश के पहले प्रधानमन्त्री वो,
कभी नहीं जीवन में हारे।।

नेता थे वो बहुत ही लाजबाव,
फूलों में उन्हें पसन्द था गुलाब।
बच्चे उन्हें बड़े लगते थे प्यारे,
पूरा किया आजादी का ख्वाब।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

महात्मा गाँधी

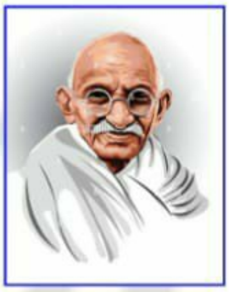

2 अक्टूबर 1869 को,
जन्मे बापू हमारे प्यारे।
सत्य और अहिंसा की,
राह दिखाते बापू प्यारे।।

महात्मा की उपाधि से,
इन्हें नवाजा गया।
राष्ट्रपिता के नाम से,
सम्मानित किया गया।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

लता मंगेशकर

अपनी मीठी आवाज का जादू,
सारी दुनिया पर चलाया।
भारत की लाड़ली बेटी ने,
'स्वर कोकिला' नाम पाया।।

सुरीली आवाज के कारण,
सबने उनको लता दीदी पुकारा।
भारत रत्न से सम्मानित होकर,
महिलाओं का मान बढ़ाया।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

महर्षि दयानन्द सरस्वती

आधुनिक भारत के चिन्तक,
वेदों का ज्ञान कराने वाले।
महर्षि दयानन्द सरस्वती थे,
कुरीतियों से बचाने वाले।

आर्य समाज के थे संस्थापक,
कर्म सिद्धांत सिखाने वाले।
महर्षि दयानन्द सरस्वती थे,
समरसता भाव सिखाने वाले।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

बाल साहित्य सृजन

1

पद्मावती

अप्रतिम सुन्दर व साहसी,
थीं राजपूत रानी पद्मावती।
१२वीं-१३वीं शताब्दी मेवाड़ में,
शासक रतनसेन की पत्नी ।।
दुश्मन के आगे न टेके घुटने,
अलाउद्दीन के छुटाये पसीने।
राजपूताना आन-बान रखकर,
आत्मसम्मान हेतु किया जौहर।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

दुर्गावती

मुगलों से लोहा लेने की,
राज्य की रक्षा की खातिर।
क्षत्राणी शौर्य प्रतिमूर्ति,
बनी सिंहनी रानी फिर।।
दुर्गावती नाम अनुरूप,
शासन संचालन कार्य किया।
देश प्रेम का जज्बा लेकर,
मुगलों से लड़ना स्वीकार किया।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
क० पू० मा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3

शिवाजी

शिवाजी महान सपूत हैं भारत के,
किया संघर्ष अन्याय के विरोध में।
जन्में 1627 ई० को शिवनेर जिले में,
शाह जी-जीजाबाई संग रहे पूना में।।
बीजापुर जीत नौ सेना का गठन किया,
नारी सम्मान, सभी धर्मों का मान किया।
धर्मनिरपेक्ष राज्य सेना को संगठित कर,
स्वतंत्र राज्य का संकल्प लिया।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

4

पृथ्वीराज चौहान

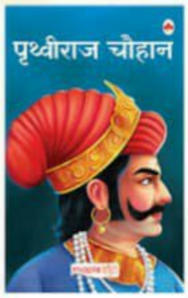

पृथ्वीराज चौहान थे,
चौहान वंश के आखिरी शासक।
1177 में बैठे थे वे राजगद्दी पर,
वे राजा थे शिक्षित और आकर्षक।।
मुहम्मद गौरी को युद्ध में,
परास्त किया 17 बार।
शब्द भेदी बाण चलाकर,
उसे दिया उन्होंने मार।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

12/02/2024

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1 कर्ण

थे वह कुन्ती पुत्र परन्तु,
राधे पुत्र कर्ण कहलाये।
पैदा हुए कवच-कुंडल संग,
गंगा में जो गये बहाये।।

मित्रता निभायी दुर्योधन से,
अंगराज, सूतपुत्र कहलाते।
क्षत्रिय कुल में जन्म लिया,
महादानी जो जाने जाते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2 एकलव्य

महाभारत का पात्र एक,
था निषाद पुत्र एकलव्य।
महान धनुर्धर बनना ही,
था जिसका जीवन लक्ष्य।।

सर्वश्रेष्ठ यह बन न पाये,
लिया अंगूठा गुरू द्रोण ने।
हँसकर दे दी गुरुदक्षिणा,
नाम कमाया गुरु भक्त ने।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3 श्रीकृष्ण

द्वापर युग में जन्म लिया,
महाभारत के पात्र महान।
श्री वासुदेव, देवकी माँ के,
श्रीकृष्ण आठवीं सन्तान।।

राधा के संग रास रचाया,
विष्णु जी के आठवें अवतार।
नन्द-यशोदा पालक जिनके,
उनसे पाया प्यार-दुलार।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4 अर्जुन

कुन्ती, पाण्डु, इन्द्रसुत अर्जुन,
वीर धनुर्धारी जग में था।
गाण्डीव धनुष से जीता भारत,
सखा कृष्ण सा इनके संग था।।

द्रुपदसुता को जीता लाये,
गीता का कर ज्ञान श्रवण।
हुई तिरस्कृत द्रुपदसुता जब,
हुआ महाभारत का रण।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

13-02-2024 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 सुनीति

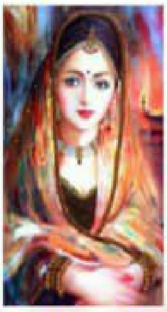

राजा उत्तानुपाद की पत्नी,
तेजस्वी ध्रुव की वह माता।
रानी के थे धार्मिक बिचार,
बालक ध्रुव को दी शिक्षा।।

उच्च सिंहासन पर बैठो जो,
केवल हरि ही दिलासकते।
हरि-भक्ति, कृपा से ही सिंहासन,
पिता से उच्च तुम पा सकते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2 अनुसुइया

तेज, सतीत्व की धनी,
अनुसूया जो कहलायी।
पिता प्रजापति कर्दम,
देवहूति विख्यात माई।।

अत्रि मुनि से विवाह हुआ,
चित्रकूट में निवास किया।
पतिव्रता देवी का स्थान मिला,
सीता मैया को उपदेश दिया।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3 मीराबाई

16 वीं सदी की कृष्ण भक्त,
कवियत्री बड़ी महान।
भक्ति पूर्वक प्रेम किया,
मीराबाई था नाम।।

'राम रतन धन पायो'
और 'पग घुँघरू' से दोहे।
देकर की साहित्य की सेवा,
मन को भावे मोरे।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4 जीजाबाई

छत्रपति शिवाजी की माता,
शाह जी से विवाह किया।
पति के साथ राज्य सम्भाल,
बेटों का मार्गदर्शन किया।।

प्रतिभाशील थी जीजाबाई,
मुश्किलों से नहीं घबरायी।
पुत्रों को दिए उत्तम संस्कार,
इतिहास में आदर्श माँ कहलायी।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

बाल साहित्य सृजन

1

चाँद बीबी

चाँद बीबी बहादुर बेटी,
हुसैन निजाम शाह की।
बीजापुर, गोलकुंडा शासक,
रही शान अहमदनगर की।।

घुड़सवारी और कई भाषाओं,
का वह रखती बहुत सारा ज्ञान।
मुगल शासक को देती रही मात,
वीरांगना ने बढ़ाया भारत का मान।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

पद्मावती

पद्मावती चित्तौड़ की,
महारानी कहलायी।
इनके शौर्य व बलिदान की,
गाथा इतिहास में लिखी गयी।।

अपने सम्मान पर,
इन्होंने आँच न आने दी।
रानी पद्मावती ने जौहर कर,
जान अपनी दे दी।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

रजिया सुल्तान

भारत की पहली महिला शासिका,
वह थी इतिहास की वीर नायिका।
वीरता की उसने मिसाल कायम की,
नये अध्याय की उसने पहल की।।

उसका शासन कुछ समय का रहा,
पर स्वर्णिम अक्षरो मे अमिट रहा।
अपने ही लोगो सने उसे धोखा दिया,
काल के क्रूर हाथो ने छीन लिया।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

पन्नाधाय

उदय सिंह की धाय माँ यह थी,
जिसने उसको दूध पिलाया।
उदय सिंह की जान के खातिर,
अपने पुत्र का बलिदान चढ़ाया।।

स्वामी भक्त का उदाहरण,
त्याग और बलिदान का।
स्वर्ण अक्षरों में नाम लिखा है।
हिस्सा बना मेवाड़ इतिहास का।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

15/02/2024

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

दयानन्द सरस्वती

आधुनिक भारत के चिन्तक,
आर्य समाज के संस्थापक थे वो।
बचपन का नाम था 'मूलशंकर',
वेदों के प्रचारक थे वो।।

'वेदों की ओर लौटो' यह उनका,
ही दिया हुआ प्रमुख नारा था।
पिता करशनजी और माँ अमृता बाई,
दयानन्द सरस्वती नाम का सितारा था।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

गौतम बुद्ध

लुंबिनी के राजा शुद्धोधन के घर,
563 ई०पू० में सिद्धार्थ का जन्म हुआ।
सिद्धार्थ के जन्म के सात दिन बाद ही,
माँ महामाया का स्वर्गवास हुआ।।

मात्र 29 वर्ष की आयु में ही सिद्धार्थ ने,
घर त्याग कर देश भ्रमण की शुरुआत की।
कठोर तपस्या व ज्ञान की प्राप्ति कर इन्होंने,
सिद्धार्थ से गौतम बुद्ध की उपाधि प्राप्त की।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

खुदीराम बोस

क्रान्तिकारियों की सूची में था नाम,
खुदीराम बोस था वह बहुत महान।
त्याग, बलिदान के किये कारनामें,
वीर के शहादत को मिली पहचान।।

3 दिसम्बर 1889 को पश्चिम बंगाल,
मिदनापुर में जन्म लिए खुदी राम।
9 वीं कक्षा तक पढ़ाई करके,
स्वतन्त्रता आन्दोलन में गये अभिराम।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

विवेकानन्द

एक देशभक्त और सन्यासी,
विवेकानन्द नाम से प्रसिद्ध हुये।
भारत के बंगाल में जन्मे ये,
धर्म संसद में सम्मिलित हुये।।

12 जनवरी को सरकार ने,
राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित किया।
इनके जीवन ने बहुत से,
युवाओं को है प्रेरित किया।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

16/02/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 विवेकानन्द

कलकत्ता में जन्मा था जो,
नाम नरेंद्र मिला जिनको।
नव भारत निर्माण किया है,
नमन करें सब मिल उनको।।

सोई दुनिया जगा के जिसने,
भक्ति योग का सूत्र दिया।
भाई बहन के संबोधन से,
सारे जगत को हिला दिया।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2 ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

महान वैज्ञानिक के रूप में,
कलाम जी को जाना जाता।
विश्व छात्र दिवस के रूप में,
इनका जन्मदिन मनाया जाता।।

भारत रत्न की उपाधि से,
इन्हें सम्मानित किया गया।
मिसाइल मैन के नाम से,
कलाम जी को नवाजा गया।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3 सुभद्रा कुमारी चौहान

अपनी कविताओं से जिसने,
देशभक्ति की अलख जगायी।
भारत की वह महान बेटी,
सुभद्रा कुमारी कहलायी।।

सुभद्रा कुमारी चौहान

वीर रस की कविताओं पर,
आपने लेखनी चलायी थी।
झाँसी की रानी जैसी कविताएँ,
लिखकर खूब प्रसिद्धि पायी थी।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 महादेवी वर्मा

छायावादी युग की शान,
साहित्य में जिनका योगदान।
मशहूर कवित्री, उपन्यासकार,
महादेवी वर्मा है उनका नाम।।

निहार, रश्मि, दीपशिखा,
महत्वपूर्ण रचनाओ के नाम।
खड़ी बोली की रचनाकार,
आधुनिक मीरा पड़ा नाम।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

बाल साहित्य सृजन

1

अहिल्याबाई होल्कर

सन 1725 में महाराष्ट्र के,
चौंडी गांव में सामंत घर जन्मीं।
साहसी अहिल्याबाई होल्कर,
कार्य किया मानवता के खातिर।।

मराठा रानी व वीरांगना,
सन 1767 में शासन संभाला।
किये अनेक धार्मिक कार्य,
काशी विश्वनाथ मंदिर स्थापना।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

सरदार वल्लभभाई पटेल

धन्य हुई भारत की धरा,
जन्म लिया जब इस लाल ने।
31अक्टूबर 1875 गुजरात में,
झाबेरभाई-लाड़बाई पटेल की गोद में।।

बुनियादी शिक्षा ली नाडियाड में,
बैरिस्टर बन काम आये देश के।
किसान हित बारडोली सत्याग्रह चलाया।
562 रियासतों से अखण्ड भारत बनाया।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

3

डॉ राजेन्द्र प्रसाद

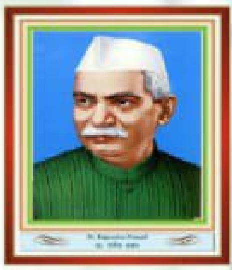

स्वदेशी का मतलब समझाया,
उनके थे परिपक्व विचार।
राष्ट्रवादी संघर्ष पुरोधा,
संविधान के थे शिल्पकार।।

प्रथम राष्ट्रपति बनकर किया,
बारह वर्ष ऊर्जा संचार।
भारत रत्न मिला था उनको,
राष्ट्र के गौरव का हैं आधार।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

रानी लक्ष्मीबाई

वीर शिरोमणी सिंहनी,
नारी शक्ति की प्रतिनिधि।
थी देशभक्त बलिदानी,
अनुपम शौर्य स्वाभिमानी।।

गाथाएं गाती शौर्य भूमि,
क्षत्राणी रानी लक्ष्मीबाई की।
हैं वीर शिरोमणि भारत भूमि,
जहां रानी ने लड़ी लड़ाई थी।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं०पू० मा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

19/02/2024 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 सुभाष चन्द्र बोस

तेईस अगस्त सन् सत्तानवे में,
जन्मे बोस क्रान्तिकारी थे।
सबसे बड़े अग्रणी नेता,
ब्रिटिश सैन्य दल पर भारी थे।।

हिन्द फौज का गठन किया,
जयहिन्द दिया नारा इन ने।
खून के बदले दूँ आजादी,
सबसे कहा नेताजी ने।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

2 राम प्रसाद बिस्मिल

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी,
पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल।
दी अंग्रेजों ने उनको फाँसी,
काकोरी काण्ड में थे शामिल।।

गरम दल के प्रमुख क्रान्तिकारी,
पीछे थी जनता उनके सारी।
उनकी वीरता को प्रणाम करते,
बलिदान का उनके सम्मान करते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3 चन्द्रशेखर आजाद

नाम आजाद लक्ष्य आजादी,
क्रान्तिकारी वो माने गये।
सभी अपनो के बीच में,
पण्डितजी नाम से जाने गये।।

चपल व्यवहार, अचूक निशाना,
अग्रेंजो को था हिला दिया।
भारत माँ के वीर सपूत ने,
अल्फ्रेड पार्क में खुद को मार लिया।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4 भगतसिंह

लायलपुर, पंजाब में जन्मे,
अट्ठारह सितम्बर, उन्नीस सौ सात।
असेम्बली में फेंका था बम,
दे दी अंग्रेजों को मात।।

साण्डर्स की हत्या करके,
लाला जी का बदला चुकाया।
हँसते-हँसते झूले फाँसी,
देश के हित सर्वस्व लुटाया।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

20.02.2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1 महाराणा प्रताप

सिसोदिया राजवंश के,
महाराणा प्रताप कहाए।
पराधीनता स्वीकार नहीं की,
वीर शिरोमणि कहलाए।।

वीरता, शौर्य, पराक्रम से,
कई भीषण युद्ध में लड़ पाए।
घास की रोटी तक खाईं,
माँ भारती के वीर सपूत कहलाए।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2 पन्ना धाय

उदयसिंह बेटे जैसा पाला,
बलिदान कहा नहीं जाय।
राजकुमार के जीवन की,
रक्षक बनी 'पन्ना धाय'।।

सुला दिया सुत अपना मुँह ढ़क,
सिर उसका कटवाया।
वीर, साहसी माता बनकर,
उदयसिंह को बचाया।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ०प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3 पृथ्वीराज चौहान

वीर, पराक्रमी राजा थे,
सम्राट पृथ्वीराज चौहान।
सोनेश्वप पिता का नाम,
गुजरात है जन्म स्थान।।

देश भक्ति ऐसी थी मन में,
मुगलों के आगे सिर न झुकाया।
अपने कुशल नेतृत्व से आपने,
दुश्मनों को कई बार हराया।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

4 रानी पद्मावती

सौन्दर्य की प्रतिमूर्ति,
थी वो रानी पद्मावती।
खतरा आन पर छाया,
जौहर तब अपनाया।।

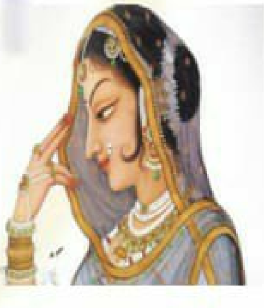

जायसी ने तब रचा,
महाकाव्य, पद्मावत।
कोई इसे कहे काल्पनिक,
कोई शीश नवावत।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-जारी (भाग-1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

21/02/2024 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 अपाला

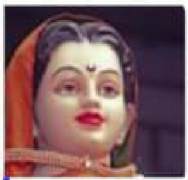

अपाला ऋषि अत्रि की पुत्री,
वह थी प्राचीन काल की विदुषी।
ऋषि कृशश्रवा से हुआ विवाह,
चर्म रोग से दुश्वार हुआ निर्वाह।।

देवराज इन्द्र की करी उसने उपासना,
सोमरस चढ़ा कर की उनकी अर्चना।
इन्द्र देव की कृपा से रोग दूर हुआ,
अपाला का नाम बहुत विख्यात हुआ।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2 घोषा

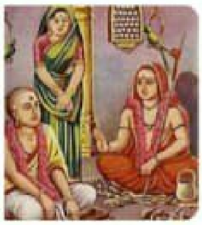

वैदिक काल में जन्मी घोषा,
पिता थे उनके काक्षीवत।
कुष्ठ रोग से पीड़ित थी वह,
रहती थी घर तक ही सीमित।।

आश्रमवासियो की थी लाडली,
अश्वनी कुमारों ने ठीक किया था।
वेदों में थी पारंगत,
सूत्र और भजन लिखा था।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3 लोपामुद्रा

प्राचीन भारतीय साहित्य की,
लोपामुद्रा नारी दार्शनिक थी।
लोपामुद्रा वैदिक काल की,
प्रसिद्ध ऋषिकी भी थी।।

विभिन्न भजनों की रचना की,
अगस्त्य मुनि संग विवाह किया।
देवी के हजारों नामों की,
प्रसिद्धि फैलाने का कार्य भी किया।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 गार्गी

गार्गी महर्षि वचक्नु की पुत्री,
प्राचीन भारत महिला विदुषी।
अनेक भजनों की रचनाकार,
ब्रह्मवादी वेदों की जाने संसार।।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल,
नारी शिक्षा की प्रेरणा का कमाल।
महान ऋषियों को किया अचंभित,
अपने ज्ञान से पुराणों में है सुशोभित।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद
• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

22/02/2024 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

आशापूर्णा देवी

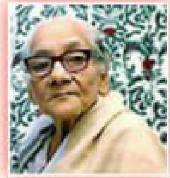

बांग्ला भाषा की कवयित्री,
थी महान उपन्यासकार।
आशापूर्णा देवी नाम था उनका,
मिला पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार।।

13 वर्ष की अवस्था से ही,
लेखन इन्होंने प्रारम्भ किया।
आजीवन साहित्य रचना से जुड़ीं,
गृहस्थ जीवन का भी निर्वाह किया।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

द्रौपदी मुर्मू

ओडिशा के जनजातीय परिवार मे,
द्रौपदी मुर्मू जी ने जन्म लिया।
समान्य क्लर्क और शिक्षिका बनकर,
कई वर्षों तक इन पदों पर कार्य किया।।

भारत की महिला राष्ट्रपति बनकर,
विश्व ख्याति को प्राप्त किया।
पति पुत्र के गुजर जाने पर भी,
समाज सेवा में जीवन त्याग दिया।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

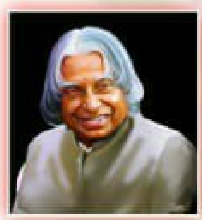

महान वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद,
मिसाइल मैन वह कहलाये।
डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम,
विश्व में अमर कहलाये ।।

अग्नि और पृथ्वी मिसाइल बनाकर,
परमाणु परीक्षण कर दिखालाये।
भारतरत्न से सम्मानित हुये वो,
भारत के 11वें राष्ट्रपति कहलाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

अवनी चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश, रीवा की वो शान,
जिसने बढ़ाया सेना का मान।
बनी पहली महिला लड़ाकू पायलट,
अवनी चतुर्वेदी है इनका नाम।।

मिग 21 बाइसन उड़ाकर, बनी,
पहली महिला फ्लाइंग अफसर।
नारी शक्ति सम्मान मिला इन्हे,
झाँसी में मूर्ति इनकी लगाकर।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

23/02/2024

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

चन्द्रशेखर वेंकटरमन

देश में जन्मे महान वैज्ञानिक,
नाम 'चन्द्रशेखर वेंकटरमन'।
7 नवंबर जन्मदिन उनका,
करते हैं हम उन्हें नमन।।

भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक,
वैज्ञानिक थे बड़े महान।
रमन इफेक्ट की खोज करके,
किया जिन्होंने अनुसंधान।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

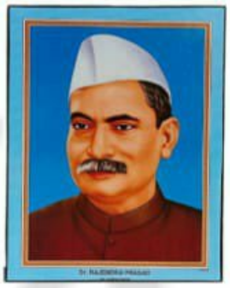

भारत देश की आजादी के,
महानायक थे राजेन्द्र प्रसाद।
स्वतन्त्र भारत के प्रथम,
राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद।।

भारतीय संविधान सभा का,
अध्यक्ष इन्हें बनाया गया।
भारत रत्न की उपाधि से,
इन्हें सम्मानित किया गया।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

अब्दुल कलाम

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रपति और,
वैज्ञानिक कहलाते कलाम।
मिसाइल मैन के नाम से,
जाने जाते अब्दुल कलाम।।

अन्तरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में,
आपने महत्वपूर्ण कार्य किया।
भारत रत्न, पद्म विभूषण जैसे
पुरस्कार पाकर जग में नाम किया।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

होमी जहाँगीर भाभा

भारत के प्रमुख वैज्ञानिक,
परमाणु रिएक्टर अप्सरा के जनक।
होमी जहाँगीर भाभा थे,
परमाणु ऊर्जा आयोग के निदेशक।।

वैज्ञानिकों को एकजुट करने वाले,
विदेशो में प्रतिनिधित्व करने वाले।
भारत बने परमाणु बम सम्पन्न देश,
सपना वैज्ञानिकों को दिखाने वाले।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

बाल साहित्य सृजन

1

रवीन्द्रनाथ टैगोर

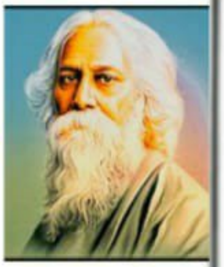

महान दार्शनिक, कवि, रचनाकार,
प्रख्यात साहित्यकार, निबंधकार।
जन्मे सन 1861 में कोलकाता में,
देशभक्त गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर।
बहुमुखी प्रतिभा के धनी युगदृष्टा,
प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता।
गीतांजलि है विश्व प्रसिद्ध ग्रन्थ,
जन-गण-मन के हैं रचनाकार।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

लता मंगेशकर

मधुरिम आवाज,
कोकिला सा स्वर।
स्वर साम्राज्ञी है,
लता मंगेशकर।।
इनके कंठ में था,
माँ सरस्वती का वास
लता मंगेशकर बनीं,
राष्ट्र की आवाज।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

संत रविदास

अंधविश्वास की लड़ी लड़ाई,
जातिवाद पर किया प्रहार।
सबका मालिक एक बताया,
शुद्ध विचार शुद्ध आहार।।
माघी पूर्णिमा जन्म लिया,
लोगों में प्यार का संदेश दिया।
मन चंगा तो कठौती में ही गंगा,
ईश्वर का सुंदर उपदेश दिया।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कं० पू० मा० वि० खजनी
(रुद्रपुर),गोरखपुर

4

सरोजनी नायडू

ग्यारह वर्ष में कविता लिखी,
सुरीली कविता मां को सुनाई।
1879 ई०को हैदराबाद में जन्मी,
भारत कोकिला की प्रसिद्धि पाई।।
महिला परिषद की सदस्य बनकर,
उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनीं।
विजयलक्ष्मी की अनुगामिनी बनी,
मार्च 1949 में मौत की गोद मिली।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

26/02/2024

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

द्रौपदी

पाञ्चाल देश की राजकुमारी,
राजा द्रुपद की पुत्री प्यारी।
पाँच पाण्डवों की बनी भार्या,
पाञ्चाली, अग्निसुता, चिर कुमारी।।

दु:शासन जब चीरहरण कर,
भरी सभा में खींच ले आया।
आह सुनी तब दुखियारी की,
आकर कृष्ण ने चीर बढ़ाया।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2

अनुसुइया

अत्रि मुनि की पतिव्रता पत्नी,
ये जग में विदुषी न्यारी थी।
बना त्रिदेवों को घर बालक,
पिला दुग्ध, असि नारी थी।।

आयीं त्रिदेवी, जब पति माँगे,
अनुसुइया ने वचन लिया।
होओ पुत्र मम, सुन तथास्तु कह,
त्रिदेवों ने था वचन दिया।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

3

मन्दोदरी

लंकापति राजा रावण की,
पटरानी थी रानी मन्दोदरी।
पति के प्रति समर्पित भाव,
मेघनाद की मातु मन्दोदरी।।

माता हेमा अप्सरा जिसकी,
मय दानव की पुत्री मन्दोदरी।
सुन्दर, सुशील, रूपमति, विदुषी,
थी लंका में विशेष मन्दोदरी।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4

सावित्री

मद्र देश की राजकुमारी,
चुना था अपना मनचाहा वर।
कहा सबने वह है अल्पायु,
सावित्री ने लिया दृढ़ निश्चय कर।।

आयु पूर्ण पति की जब पायी,
यमराज से भी कर दी लड़ाई।
नेत्र, राज्य मिले सास-ससुर को,
सतियों में निज नाम लिखायी।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

बाल साहित्य सृजन

1 सन्त रविदास

मन चंगा तो कठौती में गंगा,
कहते थे सन्त रविदास।
त्याग, समर्पण और सेवा का,
रग-रग में इनके वास।।

संतोख दास, करमा बाई,
मात-पिता गुरुवर तिहारे।
छोटे-बड़े को भेद नहीं,
जग ऐसा रैदास निहारे।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ०प्रा०वि० जारी भाग- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2 वीर अब्दुल हमीद

भारतीय सेना के सिपाही,
परमवीर चक्र पुरस्कार पाए,
अद्भुत वीरता का प्रदर्शन कर,
वीर शहीदों में नाम लिखाए।।

दिखने में बहुत साधारण,
दुश्मनों के छक्के छुड़ाए।
एक साधारण गन लेकर,
दुश्मन के कई टैंक उड़ाए।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

3 गुरु तेगबहादुर सिंह

सिखों के नौवें गुरु थे,
गुरुगोविंद सिंह छोटे बेटे।
मातृभूमि से प्रेम दिखाकर,
झुके नहीं सूली चढ़े थे।।

औरंगजेब ने अत्याचार किये
किन्तु धर्म नहीं बदला था।
सिखों के शिरोमणि गुरु बनकर,
अपना राजधर्म निभाया था।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4 ईसा मसीह

जन्म लिया यूरेस्लम में,
ईसाई धर्म का प्रचार किया।
जीवन को न्योछावर कर,
प्रवर्तन यहूदी धर्म दिया।।

काँटों का मुकुट तक पहना,
सूली पर चढ़ाया गया।
परमेश्वर के पुत्र कहलाए,
ईसाई धर्म का उपदेश दिया।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1 गान्धारी

सौ पुत्रों की माता गान्धारी,
महाभारत की तेजस्वी नारी।
आँखों पर पट्टी बांध हमेशा,
धृतराष्ट्र पत्नी वह आज्ञाकारी।।

परम भक्त भगवान शिव की,
दिव्य शक्ति आँखों में थी।
व्रज बनने से जांघ हुई वंचित।
दुर्योधन मृत्यु का कारण कदाचित।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2 कुन्ती

महाभारत के प्रमुख पात्रों में,
कुन्ती का नाम आता है।
पाण्डवों की माता के रूप में,
कुन्ती को जाना जाता है।।

कर्तव्यपरायण महिला के,
रूप में इन्हें सराहा जाता।
परिपक्व, दूरदर्शी, बुद्धिमान,
कुन्ती को बताया जाता।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3 सत्यवती

सत्यवती केवट पुत्री थी,
राजा शान्तनु से ब्याही थी।
इनके पिता ने देवव्रत से एक,
भीष्म प्रतिज्ञा करवायी थी।।

वेदव्यास इनके ऋषि पुत्र थे,
जिन्होनें महाभारत लिखा था।
महाभारत की नारियों में से,
सत्यवती का एक स्थान था।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4 द्रौपदी

पांचाल के राजा द्रुपद की,
पांचवी कन्या द्रोपदी कहलायी।
कई नाम होने के साथ-साथ,
कृष्णा भी कहलायी।।

पाँच पाण्डव की पत्नी थी वो,
इसलिए पांचाली कहलायी।
दुर्योधन ने चीर हरण किया,
प्रभु कृष्ण ने लाज बचायी।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

29/02/2024

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

विलायत ख़ाँ

प्रसिद्ध सितार वादक थे यह,
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त।
विलायत ख़ाँ नाम था इनका,
सितार वादन के थे उस्ताद।।

28 अगस्त 1928 को,
पूर्वी बंगाल में जन्म हुआ।
सितार वादन में एकमात्र थे ये,
सम्मान जिन्हे प्राप्त हुआ।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

वल्लभभाई पटेल

31 अक्टूबर, 1875 नडियाद गुजरात में,
सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ।
पिता झवेरभाई व माँ लाडबा देवी का घर,
वल्लभभाई पटेल की जन्म से धन्य हुआ।।

भारत के स्वतंत्रता सेनानी , अधिवक्ता ,
राजनीतिज्ञ के रूप में पहचान हुई।
15 दिसम्बर 1950 को बाम्बे में,
वल्लभ भाई पटेल की मृत्यु हुई।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

लक्ष्मी बाई

अस्त्र-शस्त्र बरछी चलाई,
निडर साहसी लक्ष्मीबाई।
वाराणसी में जन्म लियो,
परचम अपना चहुँ ओर फैलाई।।

अंग्रेजों से डट कर कड़ी लड़ाई,
सबको नानी जिसने याद कराई।
अंत तक वो लड़ी बन मर्दानी,
इतिहास में नाम अमर कराई।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

रितु करिधाल

भारत देश की रॉकेट वुमेन,
मचा रही अंतरिक्ष में धमाल।
लखनऊ में जन्म इन्होने लिया,
नाम है रितु करिधाल।।

ये इसरो की हैं प्रमुख वैज्ञानिक,
लड़कियों को राह है दिखाई।
मंगलयान और चन्द्रयान मिशन में,
अहम भूमिका है निभाई।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- शिखा वर्मा, सीतापुर	13- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
2- भावना शर्मा, मेरठ	14- वन्दना यादव, जौनपुर
3- जुगल किशोर, झाँसी	15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
4- सीमा शर्मा, बागपत	16- ज्योति सागर, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा	17- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
6- उमा ठाकुर, मथुरा	18- अमित गोयल, बागपत
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट	19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा	20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
9- आरती यादव, कानपुर देहात	21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
10- इला सिंह, फतेहपुर	22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत	23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
12- माला सिंह, मेरठ	24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

3- नवीन पोरवाल, औरैया

संकलन- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। #9458278429